

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में: हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है

जैसा कि हम सबको जात है कि भारत वर्ष की राजभाषा हमारी मातृभाषा हिन्दी है और लिपि देवानामी है। संघ के शासकीय प्रयोगों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप है तसवीरधारन का अनुच्छेद 343 (1)। परन्तु हिन्दी के अतिरिक्त अंग्रेजी भाषा का प्रयोग भी सरकारी कामकाज में किया जा सकता है (राजभाषा अधिनियम की धारा 3)।

जिसके उपलक्ष्य में हमारे देश में पहली बार 14 सितंबर 1953 को हिन्दी दिवस मनाया गया था और उसके बाद से हर साल इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थाएं, सरकारी कार्यालयों व संस्थानों आदि जगहों पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हिन्दी में काम करने के लिये प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाता है साथ ही प्रोत्साहित भी किया जाता है। अन्य लोहरों की तरह ही लोग इस दिन भी अपने जानने वालों को बधाई व शुभकामनाओं वाले संदेश भेजते हैं। आप भी अपने मित्रों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं भेज सकते हैं:-

हिन्दी है हमारी राष्ट्र भाषा,
हिन्दी है बड़ी प्यारी भाषा,
हिन्दी की सुरुली वाणी है,
हमें लगे हर तरह प्यारी है।

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं।

हिन्दी हमारी मातृभाषा है,
हिन्दी हर दिन बोलें हर पल बोलें,
हिन्दी दिवस के इस अवसर पर,
सबको बोलने के लिए प्रेरित करें।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मैंने एक

प्रस्तुत कर रहा हूँ :-
कविता का शीर्षक है:-

हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है

मेरी रचना, मेरी कविता
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है

हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है
पर भारत वर्ष में अब भी दासी है,
अंग्रेजी है बैठी ऊँचे सिंहासन पर,
मातृभाषा हिन्दी क्यों चपरासी है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

हिन्दी का है सरित प्रवाह सत्तिल,
रस, अलंकार शोभित सुरभित है,
दोहा, चौपाई, छंद, सोरथा, बरवै,
हिन्दी स्वर, व्यंजन, बचन रचित है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

रौद्र, बीभत्स, भयानक, शांत रस,
शृंगार, हास्य, करुण, वीर, अद्भुत हैं,
उपमा, यमक, रूपक, क्षेष, उत्प्रेक्षा

अतिशयोक्ति, अनुप्रास अलंकृत हैं।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

भारतमाता के मस्तक की बिंदी,
विश्व पटल पर अब गूंजेगी हिन्दी,
जन जन की प्रिय भाषा हिन्दी है,
पूरे भारतवर्ष की आशा हिन्दी है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

संस्कृत भाषा की अंग्रेज ये बेटी,
अन्य भाषायें इसकी बहने छोटी,
सारे भारत को जोड़ कर खत्ती है,
एकतासूत्र यह प्रिय भाषा हिन्दी है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

हिन्दुस्तान की गैरव भाषा हिन्दी है,
आदित्य मातृभाषा हमारी हिन्दी है,
मेरी काव्य कल्पना रचना हिन्दी है,
मेरे जीवन की परिभाषा हिन्दी है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

हिन्दी दिवस की शुभकामनायें हैं,
सारे भारत की अब यही दुआयें हैं,
जन-गण-मन की वाणी हिन्दी है,
युगों युगों से न्यारी भाषा हिन्दी है।
हिन्दी चिर परिचित अविनाशी है।

महादेवी वर्मा (जन्म: 26 मार्च, 1907, फर्स्याबाद; मृत्यु: 11 सितम्बर, 1987, प्रयाग) हिन्दी भाषा की प्रख्यात कवियित्री हैं। महादेवी वर्मा की गिनिती हिन्दी कविता के छायावादी युग के चार प्रमुख संस्कृति युगिनान्दन पन्थ, जयशंकर प्रसाद और सूर्योकान्त विप्राठी निराला के साथ की जाती हैं। आधुनिक हिन्दी कविता में महादेवी वर्मा एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरीं। महादेवी वर्मा ने खड़ी बोली हिन्दी को कोमलता और मधुरता से संस्कृत कर लहर मानवीय संवेदनों की अधिक्यक्ति का द्वारा खोला, विहर की दीपशिखा का गोप दिया, व्यष्टिकृत मनवतावादी काव्य के चिंतन को प्रतिष्ठापित किया। महादेवी वर्मा के गीतों का नाद-सौंदर्य, पैनी उकियों की व्यंजना शैली अन्यत्र दुर्लभ है।

कर्नल आदि शंकर मिश्र, आदित्य लखनऊ

महादेवी वर्मा अपने परिवार में कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुईं। उनके परिवार में दो सौ सालों से कोई लड़की पैदा नहीं हुई थी, यदि होती तो उसे मार दिया जाता था। दुर्गा पूजा के कारण आपका जन्म हुआ। आपके दादा फारसी और उर्दू तथा विप्राठी की अंग्रेज बनारसी के बाद रहने के बाद जन्म आया। महादेवी वर्मा ने जीवन योग्य विवाह करने के बाद अपनी जीवन की शांति को बढ़ावा दिया। उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया। उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

जीवन परिचय

महादेवी वर्मा अपने परिवार में कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुईं।

उनके परिवार में दो सौ सालों से कोई लड़की पैदा नहीं हुई थी,

यदि होती तो उसे मार दिया जाता था।

दुर्गा पूजा के कारण आपका जन्म हुआ।

आपके दादा फारसी और उर्दू तथा विप्राठी के बाद जन्म हुआ।

महादेवी वर्मा ने जीवन योग्य विवाह करने के बाद अपनी जीवन की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांति को बढ़ावा दिया।

उनकी विवाही वर्षीय विवाह की शांत

